Harvard University
Urdu 102: Intermediate Urdu-Hindi

शोले

Part 2

ठाकुर याद कर रहा है। एक मालगाड़ी दिखाई देती है। उस में जय, वीरू, और ठाकुर बलदेव सिंह इंस्पेक्टर की वर्दी पहने बैठे हैं। जय और वीरू की हथकड़ी लगी है।

वीरू - थानेदार साहब, आप कभी दौलतपुर थाने पर भी थे?

ठाकुर बलदेव सिंह - हाँ, पहले था। क्यों?

वीरू - हाँ ऽऽऽ। अब याद आया। जब से आपने पकड़ा है, तब से सोच रहा हूँ कि आपको पहले कहाँ देखा है। वहाँ पर लालजी भाई बनिया की दुकान थी न? जहाँ चोरी हो गयी थी। याद है आपको?

ठाकुर बलदेव सिंह - लालजी भाई बनिया? नहीं तो।

वीरू - नहीं याद? (जय को जगाते हुए) जय! जय! याद है जब हम दो दिन के लिये दौलतपुर थाने में बंद हुए थे?

जय - (जागकर) दौलतपुर थाना?

वीरू - हाँ।

जय - कब बंद हुए थे?

वीरू - अबे। जब वह, बनिये की दुकान का ताला तोड़ा था। तब थानेदार ये ही तो थे। नहीं पहचाना?

जय - मुझे तो सब पुलिसवालों की सूरतें एक जैसी लगती हैं।

वीरू - अब, अब क्या बोलूँ? इस की तो आदत है बकबक करने की।

ठाकुर बलदेव सिंह - तुम दोनों ये धंधे कितने दिनों से कर रहे हो?

वीरू - बस यूँ समझिये थानेदार साहब। होश सँभालते ही अपने पैरों पर खड़े हो गये।

ठाकुर बलदेव सिंह - क्यों करते हो यह सब?

वीरू - जिसलिये आप पुलिस की नौकरी करते हैं - पैसा।

ठाकुर बलदेव सिंह - नहीं, मैं पुलिस की नौकरी सिर्फ़ पैसों के लिये नहीं करता। उस के लिये तो मेरे पुरखों की खेती-बाड़ी ही काफ़ी है। शायद ख़तरों से खेलने का शौक़ है मुझे।

जय - हम भी तो रोज़ ख़तरों से खेलते हैं।

ठाकुर बलदेव सिंह - फ़र्क है। मैं क़ानून की हिफ़ाज़त के लिये ख़तरे मोल लेता हूँ और तुम क़ानून तोड़ने के लिये।

जय - और दोनों ही कामों में बहादुरी की ज़रूरत होती है।

वीरू - हाँ, ज़रूरत होती है।

ठाकुर बलदेव सिंह - अच्छा। तुम अपने आपको बहुत बहादुर समझते हो?

वीरू - अगर मौक़ा मिले तो देख लेना थानेदार साहब। हम दोनों पंद्रह बीस पर तो भारी पड़ेंगे। क्यों जय, मैं ज़्यादा तो नहीं बोल गया?

जय - पार्टनर, बोल ही दिया तो देख लेंगे।

वीरू - देख लेंगे।

(अचानक कुछ डाकू रेलगाड़ी पर गोलियाँ चलाने लगते हैं।)

ठाकुर बलदेव सिंह - डाकू।

जय - क्यों थानेदार साहब। बहादुरी आजमानी है?

वीरू - थानेदार साहब, अभी भी वक़्त है। सोच लीजिये।

ठाकुर बलदेव सिंह - (पिस्तौल उठाकर जय और वीरू की हथकड़ी की ओर गोली चलाता है। हथकड़ी टूट जाती है।) लेकिन भागने की कोशिश मत करना।

(लड़ाई होती है। कई डाकू मारे जाते हैं। वीरू गाड़ी के इंजन में पहुँचकर ड्राइवर से कहता है।)

वीरू - ड्राइवर, ट्रेन रोको। गाड़ी आगे ले चलो। और जितनी तेज़ी से ले जा सकते हो ले चलो। आगे चलो। आगे।

चलानेवाला - --------(अस्पष्ट)

ड्राइवर और वीरू में बहस होती है। ड्राइवर गाड़ी के इतनी तेज़ी से चलने के कारण बहुत चिंतित है। गाड़ी एक सुरंग पार करती है। आगे लकड़ियों का एक ढेर पटरी पर गाड़ी को रोकने के लिये पड़ा है। पर तेज़ चलने के कारण गाड़ी उस पर हो कर निकल जाती है, पलटती नहीं। वीरू ख़ुशी से उछलता है। लड़ाई अभी भी चल रही है।

(ठाकुर के सीने में गोली लग जाती है। वह गिरता है और जय उस के पास आ कर पूछता है।)

जय - थानेदार साहब, आप ठीक हैं?

ठाकुर बलदेव सिंह - मैं ठीक हूँ।

रेलगाड़ी में एक आदमी से लड़कर वीरू उसे नीचे फेंकता है।

वीरू - वीरू से टक्कर... (जय के पास पहुँचता है) भाग गये साले।

जय - हाँ।

वीरू - चल, जल्दी चल।

ठाकुर बलदेव सिंह जिस के सीने में गोली लगी हुई है, डब्बे के अन्दर से अपने हाथ में बंदूक़ लिये बाहर निकलता है।

ठाकुर बलदेव सिंह - मैंने कहा था, भागने की को...

बेहोश हो कर वह गिरता है। दोनों उस के पास जा कर देखते हैं।

वीरू - क्या बोलता है?

जय - भाग तो सकते हैं।

वीरू - इसे इस हालत में छोड़कर?

जय - इस हालत में छोड़ा तो यह मर जाएगा।

वीरू - और अगर अस्पताल ले गये तो गये चार छै महीने के लिये अन्दर।

वीरू - हूँ।

जय - क्या बोलता है?

जय - तू बोल।

वीरू - निकाल वही।

जय अपनी जेब से एक सिक्का निकालता है।

जय - Heads, अस्पताल ले चलते हैं। Tails, भाग चलते हैं। Heads.

थाना = (police) station (m)
पकड़ना = to catch, apprehend (vt)
बनिया = merchant (m)
चोरी होना = to be stolen (vi)
जगाना = to wake, arouse (vt)
बंद होना = to be locked up, closed (vi)
तोड़ना = to break (vt)
पहचानना = to recognize (vt)
सूरत = face, countenance (f)
एक जैसा = the same (adj)
आदत = habit (f)
बकबक करना = to talk nonsense (vt)
धंधा = business, trade (m)
होश सम्भालना = to gain consciousness (vt)
होश सम्भालते ही = as soon as gaining consciousness (adv)
पैर = foot (m)
पुरख = ancenstors (m)
खेती बारी = farming (f)
ख़तरा = danger (m)
शौक़ = hobby (m
क़ानून = law (m)
हिफ़ाज़त = protection (f)
मोल लेना = to court (danger) (vt)
बहादुरी = courage (f)
बहादुर = valient (adj)
मौक़ा = opportunity (m)
x पर भारी पड़ना = to be a match for x (vi)
ज़्यादा बोलना = to exaggerate
अचानक = suddenly (adv)
डाकू = dacoit (m)
हमला करना = to attack (vt)
गोली चलाना = to fire a bullet (vt)
भागना = to flee (vi)
रोकना = to stop (vt)
तेज़ी से = quickly (adv)
लड़ना = to fight (vt, vi)
फेंकना = to throw (vt)
टक्कर = clash, confrontation (f)
सीना = chest (m)
गोली लगना = for a bullet to attach (vi)
डब्बा = compartment (m)
अन्दर = inside (adv)
बंदूक = gun (f)
बेहोश = unconscious (adj)
गिरना = to fall (vi)
हालत = state, condition (f)
छोड़ना = to leave, abandon (vt)
मरना = to die (vi)